“मैं सबसे छोटी होऊं”

काव्यांशों पर आधारित प्रश्न उत्तर-

मैं सबसे छोटी होऊं

तेरी गोदी में सोऊ

तेरा अंचल पकड़ पकड़ कर

फिरूं सदा मां! तेरे साथ,

कभी ना छोडू तेरा हाथ!

बड़ा बनाकर पहले हमको

तू पीछे छलती है मात!

1. प्रस्तुत पद्यांश में कौन छोटे बने रहने की इच्छा प्रकट करता है?
   उत्तर-प्रस्तुत पद्यांश में कवि कहते हैं कि एक छोटी लड़की अपनी मां से सदा छोटे बने रहने की इच्छा प्रकट करती है ।
2. छोटी लड़की इस पद्यांश में अपनी कौन सी इच्छा प्रकट करती है?
   उत्तर-छोटी लड़की अपनी मां की गोदी में सोने की, सदा अपनी मां की हाथ पकड़े रहने तथा मां के साथ सदा घूमने फिरने की इच्छा प्रकट करती है।
   3 . छोटी लड़की अपनी मां पर क्या आरोप लगाती है?
   उत्तर-छोटी लड़की अपनी मां पर यह आरोप लगाती है कि हमें बड़ा बना कर तू हमें छलती है अर्थात तू सदा हमारे साथ नहीं रहती।
   4. छोटी लड़की के माध्यम से कवि की कौन सी इच्छा प्रकट हुआ है?
      उत्तर-छोटी लड़की के माध्यम से कवि की भी यह इच्छा प्रकट हुई है कि वह भी अपनी मां का सान्निध्य चाहता है।
   5. पदयांश के आधार पर छोटे रहकर मां से कौन-कौन से सुख प्राप्त होते हैं?
      उत्तर- पद्यांश के आधार पर मां के साथ सोने , मां का आंचल पकड़कर घूमने का तथा सदा साथ रहने का सुख प्राप्त होता है।

      हाथ पकड़ फिर सदा हमारे
      साथ नहीं फिरती दिन रात!
      अपने घर से खिला धुला मुख,
      धूल पोंछ सज्जित कर गात,
      थमा खिलौने, नहीं सुनाती
      हमें सुखद परियों की बात!

      1. बड़े हो जाने पर मां क्या नहीं करती है?

उत्तर- जब बच्चा बड़ा हो जाता है मां अपने हाथों से नहीं खिलाती, अपने हाथों से बच्चे को नहीं सजाती - संवारती और ना ही हाथ में खिलौने देकर परियों की कहानी सुनाती।

2. छोटी लड़की को किस बात का दुख बना हुआ है?
   उत्तर -छोटी लड़की को यह दुख बना हुआ है कि मां उसे बड़ा बनाकर अपने हाथों से नहीं खिलाएगी और न ही परियों की सुखद कहानियां सुनाएगी।

3. कवि अपनी व्यथा इस पद्यांश में किस प्रकार प्रकट करता है?
   उत्तर-इस पद्यांश में कभी अपनी व्यथा छोटी लड़की के माध्यम से प्रकट करता है।
   कवि बड़ा बनकर अपनी मां के प्यार को खो देने से व्यथित है।

   ऐसी बड़ी ना होऊं मैं
   तेरा स्नेह ना खोऊं मैं,
   तेरे अंचल की छाया में
   छिपी रहूं निस्पृह, निर्भय,
   कहूं दिखा दे चंद्रोदय!

   1. छोटी लड़की बड़ी क्यों नहीं होना चाहती है?
      उत्तर-छोटी लड़की बड़ी होकर अपनी मां के स्नेह को खोना नहीं चाहती।
   2. 'छिपी रहूं निस्पृह, निर्भय , कहूं दिखा दे चंद्रोदय'कथन से छोटी बच्ची का क्या तात्पर्य है?
      उत्तर-इस कथन से छोटी बच्ची का कहना है कि वह अपनी मां की गोदी में सुरक्षित रहना चाहती हैं , मां की गोदी में रहकर उसे और कुछ नहीं चाहिए तथा वह मां से चंद्रोदय दिखाने का अनुरोध करेगी।